28/4/25

पेशी

वादीगण द्वारा प्रार्थना पत्र पेश करने
पर पत्रावली तलब की गई। वादीगण
व प्रतिवादी सं. 2,3,10 उपस्थित।
वादीगण व प्रतिवादीगण ने प्रार्थना पत्र
प्रस्तुत कर निवेदन किया कि हम पक्षकारों
में आपसी राजीनामा हो गया। स्थायी
इन वाद को आगे नहीं चलाना चाहते
है। वाद को विड्रॉ करने की अनुमति
प्रदान करें। वादीगण को (सुना गया)
प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है।
तथा वाद को विड्रॉ करने की अनुमति
प्रदान की [illegible] वाद पत्रावली
इसी स्तर पर विड्रॉ कर खारिज
किया किया जाता है। वादीगण

ह० निवेदक
तेजसिंह
सुरेश
महेन्द्र सिंह

Signature Not Verified

Digitally signed by Mukesh Choudhary
Date: 2025.05.05 11:58:02 IST
Reason: SelfAttested

| तारीख हुक्म | हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज | नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील मे जारी हुए |
| --- | --- | --- |
| | की पहचान इनके अधिवक्ता श्री नागरमल अवाना द्वारा की गई। प्रतिवादी सं. 2,3,10 की पहचान इनके अधिवक्ता श्री अमीत सिंह तँवर द्वारा की गई। पत्रावली नम्बर से [illegible] तकमील दाखिल दफ्तर हो।<br><br>Signature Not Verified<br>Digitally signed by Mukesh Choudhary<br>Date: 2025.05.05 11:58:02 IST<br>Reason: SelfAttested | |